नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

मध्यकालीन हिंदी साहित्य का वर्तमान विषय पर पुनश्चर्या कार्यक्रम का समापन

हिंदी विश्वविद्यालय के हिंदी का शिक्षण-प्रशिक्षण केंद्र का आयोजन

वर्धा दि. 2 फरवरी 2016: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में महामना पंडित मदन मोहन मालवीय शिक्षा मिशन के अंतर्गत संचालित हिंदी का शिक्षण प्रशिक्षण केंद्र की ओर आयोजित पुनश्चर्या कार्यक्रम का समापन कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अध्यक्षता में भाषा विद्यापीठ के सभागार में किया गया।

मध्यकालीन हिंदी साहित्य का वर्तमान विषय पर विगत 16 फरवरी से पुनश्चर्या कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसका समापन 29 को किया गया। इस अवसर पर गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. चित्तरंजन मिश्र, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र मंचासीन थे।

अध्यक्षीय उदबोधन में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि मध्यकालीन साहित्य को आज के संदर्भ में जानने और समझने के लिए यह पुनश्चर्या कार्यक्रम अध्यापकों के लिए काफी लाभदायी रहा। हिंदी का शिक्षण प्रशिक्षण केंद्र का यह अहम आयोजन था और हम चाहते हैं कि इस पूरे कार्यक्रम के अंतर्गत शामिल हुए विशेषज्ञ के वक्तव्य पर आधारित एक ग्रंथ का प्रकाशन करेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र को हिंदी की विचार-दृष्टि और शोध के केंद्र के रूप में विकसित करेंगे। उन्होंने मध्यकालीन साहित्य के प्रचार-प्रसार के लिए एक वेबसाइट बनाने का सुझाव भी दिया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये। इस अवसर पर प्रतिभागियों की ओर से कुलपति प्रो. मिश्र का छायाचित्र एवं स्मृतिचिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। प्रारंभ में डॉ. संतोष गाजले, यवतमाल, श्रीनिवास त्यागी, दिल्ली, डॉ. राहुल पांडे, लखनऊ तथा डॉ. चंद्रभान सिंह यादव, मुरादाबाद ने पुनश्चर्या कार्यक्रम के दौरान के अपने अनुभवों का बताया।

कार्यक्रम का संचालन साहित्य विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. रामानुज अस्थाना ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन पुनश्चर्या कार्यक्रम के संयोजक डॉ. बीर पाल सिंह यादव ने किया। समारोह में साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. कृष्ण कुमार सिंह, साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अरबिंद कुमार झा, प्रो. उमाशंकर उपाध्याय, डॉ. गोपाल ठाकुर सहित विभिन्न विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों से आए प्रतिभागी उपस्थित थे।